भारत डायनामिक्स लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय(

निगम कार्यालय, गच्ची बाउली हैदराबाद –

बीडीएल/104/सं.वि.-सीसी/एमआर/04 दि. 31 मार्च, 2023

प्रेस-विज्ञप्ति

बी डी एल को भारतीय थल सेना के दो रेजिमेंट के लिए आकाश अस्त्र प्रणाली का कार्य-आदेश प्राप्त

कंपनी के पास रु. 24,000 करोड़ से अधिक के कार्य-आदेश

आकाश अस्त्र-प्रणाली

भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने भारतीय थल सेना के लिए आकाश अस्त्र प्रणाली तैयार कर सुपुर्द करने के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ रु. 8161 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। इस अनुबंध पर दि. 30 मार्च, 2023 को हस्ताक्षर किया गया है और यह कार्य-आदेश भारतीय थल सेना के दो रेजिमेंट के लिए है। यह कार्य-आदेश अगले तीन साल में कार्यान्वित किया जाना है।

आगे, बी डी एल को एम एल एच हेलीकॉप्टर के लिएरु. 261 करोड़ का कार्य-आदेश भी प्राप्त हुआ।

इस नये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद बीडीएल की समेकित ऑर्डर बुक स्थिति अब लगभग 24,021 करोड़ रुपये तक पहुँच गई है।

कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र(से.नि.), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल ने इस अवसर पर कहा कि इस नये अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से आकाश परियोजना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही,बीडीएल और इसके

आपूर्ति श्रृंखला भागीदार अस्त्र-प्रणाली की माँग के अनुरूप उत्पादन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह आकाश अस्त्र-प्रणाली देशी बाजार के साथ-साथ मित्र देशों को भी निर्यात की जा रही है।

वित्तीय वर्ष, 2022-23 कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। देशी एवं विदेशी बाजार से प्राप्त नए कार्य-आदेश, अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना, सशस्त्र बलों के लिए नए उत्पादों का उद्घाटन, विदेशी एवं देशी कंपनियों के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना- इन सभी ने बी डी एल के लिए नये कारोबार के अवसर प्रदान किये हैं।

बीडीएल को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कई कार्य-आदेश प्राप्त हुए हैं जिनमें भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना के लिए अस्त्र-एम के-1 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (ए एएम) तथा अन्य संबद्ध उपकरणों की आपूर्ति आदि शामिल हैं। इसके अलावा बीडीएल को प्रतिमारक अवसर्जन प्रणाली का कार्य-आदेश भी मिला है।

बीडीएल ने अपनी भानूर इकाई में वारहेड विनिर्माण सुविधा, कंचनबाग इकाई में सीकर निर्मिति केंद्र की स्थापना की है जो बी डी एल को विश्व की चुनिंदा आर एफ साधक निर्माता और परीक्षक के प्रतिष्ठित क्लब में शामिल करता है। बहुत कम देश इसका दावा कर सकते हैं। यह भारत सरकार की नीति के अनुरूप आत्मनिर्भरता-प्राप्ति की दिशा में बीडीएल का एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, बीडीएल 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत थेल्स, यूके के साथ प्रौद्योगिकी अंतरण समझौते के तहत अत्याधुनिक विश्रॉड्स (अति लघु दूरी वाली वायु रक्षा प्रणाली), लेजर बीम राइडिंग युद्ध सामग्री का निर्माण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बीडीएल और भारतीय सशस्त्र बलों दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित डिफेक्सपो - 2022 और एयरो इंडिया - 2023 के दौरान, बीडीएल ने व्हीकल माउंटेड अमोघ III टैंकरोधी संचलित प्रक्षेपास्त्र (संग्रामिका), लाइट सपोर्ट व्हीकल माउंटेड लेजर बीम राइडिंग मैनपैड (संहारिका) और एमबीटी अर्जुन के लिए एटीजीएम, वर्टिकली लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (वीएल एसआरसैम), बीएमपी II के लिए SAL सीकर ATGM और ड्रोन डिलीवरेड मिसाइल (जिष्णु) जैसे नए उत्पादों का उद्घाटन किया है।

कंपनी ने कई विदेशी ओईएम के साथ अनुबंध ज्ञापन प्रलेख (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं जिससे कंपनी के विकास के नये अवसर खुलेंगे और कंपनी को नये प्रौद्योगिकियाँ आएँगी। बी डी एल ने जिन अग्रणी कंपनियों के साथ अनुबंध ज्ञापन प्रलेख पर हस्ताक्षर किए हैं उन में मिस्त्रल मिसाइल के विनिर्माण के लिए एम बी डी ए, फ्रॉस;'अस्त्र', रैफल एयरक्राफ्ट पर 'एस ए ए डब्ल्यू' जैसी अस्त्र प्रणालियों के एकीकरण के लिए डस्सॉल्ट एवियेशन प्राइवेट लिमिटेड; भारत में लेजर गाइडेड रॉकेट तथा इसके प्रमुख घटकों के लिए विनिर्माण सुविधाएँ स्थापित करने के लिए थेल्स, बेल्जियम के साथ; भारत और दुनिया के लिए भारत में अल तारिक के विनिर्माण की संभावित परियोजनाओं की पहचान करने और उन पर काम करने के लिए,

बरिज डायनामिक्स एलएलसी ("एएल तारिक"), अबू धाबी, संयुक्त अरब एमिरेट्स; भारत में 122 एमएम ग्रेड बी एम ई आर तथा नॉन ई आर रॉकेट के निर्माण के लिए बलटेक्सप्रो लिमिटेड शामिल हैं।

बीडीएल ने सिरामिक राडोम्स (जेलकास्ट प्रोसेस) के निर्माण के लिए डीआरडीओ के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (एलएटीओटी) के लिए लाइसेंसिंग समझौता किया।

बीडीएल ने अपने एक कार्यक्रम के लिए ग्राहक के निरीक्षण प्राधिकरण से ग्रीन चैनल प्रमाणन प्राप्त किया और चरणबद्ध तरीके से कंपनी में इसी तरह के उत्पादों पर काम कर रहा है।

कंपनी के मौजूदा ऑर्डर की स्थिति, विश्व बाजार में इसके उत्पादों की मॉंग और आने वाली नई तकनीकों के कारण बीडीएल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कंपनी वैश्विक बाजार में अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों के निर्यात के माध्यम से विकास के नए अवसरों की तलाश में है। बीडीएल आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और मिसाइल तथा अस्त्र प्रणाली के निर्माण में अग्रणी बनने के लिए तैयार है।

---XXX--